


14/06/23

पञ्चवली मठ केका दृष्टी वारी के वकील
रुद्रप्रस्थिता वारी रुद्रप्रस्थिता। वारी के
मठ रुद्रप्रस्थिता कोट समय में लीक कर
लीक-लीक आकारे लिखी गयी बावद
कोट लिखे के वारी व वारी के रुद्रप्रस्थिता
रुद्रप्रस्थिता मठ: उक्त उक्त प्रकृत,
वारी की उक्त दायी व उक्त धरकी
में रकारित लिख जाता है पञ्चवली
विधि लुगा होकर इतिहास इफत है


बहायक कनिष्ठ गुरुमाला